SMT. SULOCHANADEVI SINGHANIA SCHOOL, THANE

STD	SUB	EXAM	DATE	MARKS	TIME	PRINTED SIDE
X	HINDI IILANG.	PRELIM	9.1.2019	80	3HRS.	5

सूचना: सुंदर और सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।
इस प्रश्न के कुल दो खंड है। (अ) और (ब)। खंड (अ) अनिवार्य है।
खंड (ब) से कुल चार अवतरणों के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

खंड (अ)

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर प्रस्ताव लिखिए। १५.

अ) गाँव और शहर में जीवन, रहन-सहन, आदि में काफी अंतर है। दोनों की अपनी-अपनी विशेषताएँ और समस्याएँ हैं। वर्तमान संदर्भ में गाँव और शहरों के जीवन से जुड़े सभी पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

आ) भारत का राष्ट्रीय खेल किसे कहा जाता है ? आज-कल उस खेल की क्या दशा है और क्यों और किस खेल ने भारतीयों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है और कैसे?

इ) हाल ही में आप किसी विवाह उत्सव में गए। वहाँ अत्यधिक सजावट आदि पर धन का अपव्यय होते देखा। वर्तमान समय में धन के अपव्यय की बढ़ती प्रवृत्ति के कारणों, दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए इसे रोकने में युवा वर्ग की भूमिका बताइए।

ई) आ बैल मुझे मार— उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी या अपने विचार लिखिए।

उ)नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा संबंध चित्र से हो।

8

Scanned by CamScanner

प्रश्न २. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखए।

विदेश भेजने के नाम पर दलालों द्वारा की जा रही धोखाधड़ी के बारे में शिकायत करते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए।

अथवा

अपने चाचा जी को पत्र लिखकर उनकी पदोन्नति पर बधाई दीजिए।

प्र. ३ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान-पूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में लिखिए।

जीवन मृत्यु का अर्थ समझनेवाले, सदा सत्य की रक्षा करने वाले और अपने देश और देशवासियों से प्यार करने वाले सुकरात ने शासक के दबाव में आकर न्याय की हत्या करने वाले न्यायाधीशों के मिथ्या आरोपों को स्वीकार नहीं किया तो नहीं किया। परिणामतः उन्होंने सुकरात को मृत्युदंड सुना दिया।

देश की तत्कालीन प्रथा के अनुसार मृत्युदंड के अपराधी को निश्चित तिथि को जहर का प्याला पिला दिया जाता था। सुकरात ने खुशी से जहर पीना स्वीकार कर लिया।

उस दिन शुक्रवार था। जेल की कोठरी में उस समय सुकरात के पास उसके दो परम मित्र प्लेटो और क्रीटो मौजूद थे। जेलर भी सुकरात का प्रशंसक था। शिष्यों ने जेलर को विश्वास में लेकर सुकरात को जेल से भगा ले जाने की योजना बनाई परन्तु सुकरात ने दृढ़तापूर्वक इन्कार कर दिया। बोला-यह देश के कानून का उल्लंघन होगा। कानून का उल्लंघन करके मैं देश का अपमान नहीं करूँगा। सत्य की रक्षा करना ही मेरा धर्म है। मृत्यु भय से मैं अधर्म नहीं करूँगा। बाकी मेरा शरीर ही तो कब्र में दफन रहेगा। आत्मा तो तुम लोगों के साथ रहेगी। आत्मा ही एक अमर सत्य है। इसलिए मेरी मृत्यु के अवसर पर हंसो और खुशियाँ मनाओ तथा मुझे भी शांति से मरने दो। निश्चित समय पर जेलर ने काँपते हाथों से सुकरात को जहर का प्याला पिला दिया। रोते-रोते बोला- महोदय मैं जानता हूँ कि आप निर्दोष हैं, परन्तु मैं विवश हूँ। मुझे क्षमा कर देना। सुकरात ने उसे धीरज देते हुए कहा- भाई, मैं तुमसे रुष्ट क्यों होने लगा। तुम तो अपने कर्तव्य का पालन कर मेरे ही विचारों का समर्थन कर रहे हो। यह कह कर सुकरात ने जहर का प्याला हाथ में लिया और प्रसन्नतापूर्वक घूँट-घूँट पीने लगा। यह देख वहाँ उपस्थित लोगों का हृदय हा-हाकार कर उठा।

जहर ने धीरे-धीरे सुकरात पर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। तभी जैसे उसे ध्यान आया हो, उसने क्रीटो से कहा क्रीटो मैंने अपने पड़ोसी से एक मुर्गा उधार लिया था। तुम उसका दाम चुका देना। यह कहकर उसने चादर से मुँह ढक लिया। उसके बाद वह कुछ देर निस्पंद पड़ा रहा। कुछ क्षण बाद उसका शरीर एकाएक काँपा और उसके बाद सब कुछ शांत। सुकरात की आत्मा उसके शरीर छोड़कर उस परम सत्ता में विलीन हो गई जिसका वह अंश था। अंश पूर्ण में मिलकर पूर्ण हो गया।

इस प्रकार महान दार्शनिक और सत्य का अन्वेषक अन्याय के बलिवेदी पर चढ़ गया। सत्य के अन्वेषकों का प्रायः ऐसा ही अंत होता रहा है परन्तु एक बात निश्चित है कि वे अपनी मृत्यु में भी उतने ही महान होते हैं जितने कि जीवन में। वे मर कर भी अमर हो जाते हैं।

प्र.

१) सुकरात को न्यायाधीशों ने मृत्युदंड क्यों दिया?

२) सुकरात को जेल से निकालने की तैयारी किसने की और किस प्रकार की? २

३) सुकरात ने जेल से बाहर निकलने से इनकार क्यों कर दिया? २

४) सुकरात को जहर देते हुए जेलर के हाथ क्यों काँप रहे थे? २

५) उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या सीख मिलती है? २

Scanned by CamScanner

व्याकरण

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

१) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए।

परिवार   ईश्वर

२) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। १

मंदिर   निर्मल.

३) निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्द के विपरीतार्थक शब्द लिखिए। १

स्वस्थ   क्षणिक   जल   अमृत

४) भाववाचक संज्ञा बनाइए।

रुकना   सज्जन

५) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए। १

अंगूठा दिखाना   शहीद होना

६) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

१) यह समाचार पत्र <u>पंद्रह दिन में एक बार</u> छपता है। (रेखांकित शब्द के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए।) १

२) सैनिकों ने देश को घेर लिया। (वर्तमानकाल में परिवर्तित कीजिए।) १

३) यह कहानी मुझे बहुत प्रभावित करती है। (वचन बदलिए।) १

खंड (ब)

गद्य-विभाग

प्र.५

" ओह! आप चुप न रहेंगे ? मैं कहती हूँ। यह व्यर्थ का संदेह आप मन से निकाल दीजिए या मेरे लिए संखिया मंगा दीजिये। छुट्टी हो। "

१) उपर्युक्त कथन संदर्भ स्पष्ट कीजिए। २

२) मोहन बाबू की मानसिक दशा कैसी थी? २

३) मनोरमा किससे सहायता मांगती है और क्यों? २

४)श्यामा के माध्यम से लेखक ने नारी के किस रूप को समाज के सामने लाने का प्रयास किया है? समझाकर लिखिए। ३

AMBIKA BOOK D
Shop No. 1, Rangoli, Vasai
Thakur Village, Kandiva
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

SMT SULOCHANADEVI SINGHANIA SCHOOL, THANE

Scanned by CamScanner

प्रश्न ६.

"यह संसार है यार ! " मैंने स्वार्थ की फिलॉसफी सुनाई- "चलो, पहले विस्तर में गर्म हो लो, फिर किसी और की चिंता करना ।" उदास होकर मित्र ने कहा– "स्वार्थ ! जो कहो, लाचारी कहो, निठुराई कहो या वेहयाई ।"

१) उपर्युक्त कथन के आधार पर वक्ता की स्वभावगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए । २

२) श्रोता की उदासी का क्या कारण था? २

३) "यह संसार है यार !" लेखक ने कब और किससे कहा ? इस कथन में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए । ३

४) यह कहानी आपके अंतर्मन पर क्या प्रभाव छोड़ती है ? समझाकर लिखिए । ३

प्र.७

हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई । एक चश्मेंवाला है जिसका नाम कैप्टन है । उसे नेताजी की बगैर चश्मेंवाली मूर्ति बुरी लगती ,. वल्कि आहत करती है, मानो चश्में के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो ।

१) हालदार साहब कौन है ? उनका परिचय दीजिए । २

२) कैप्टन की कहानी में क्या भूमिका है ? स्पष्ट कीजिए । २

३) अवतरण में किस मूर्ति की बात की जा रही है ? मूर्ति की सुंदरता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए । ३

४) देशभक्ति किसी विशेष अवसर का इंतजार नहीं करती । इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए । ३

पद्य विभाग

प्रश्न ८

सबको मुक्त प्रकाश चाहिए
सबको मुक्त समीरण
बाधा रहित विकास, मुक्त
आशंकाओं से जीवन ।
लेकिन विघ्न अनेक अभी
इस पथ पर अड़े हुए है
मानवता की राह रोककर
पर्वत अड़े हुए है ।

१) व्यक्ति के विकास के लिए किन-किन चीजों की आवश्कता है ? २

२) कवि ने मानव जीवन में आने वाली किन-किन बाधाओं की ओर संकेत किया है ? २

३) कवि ने समानता पर क्यों वल दिया है ? कविता के आधार पर लिखिए । ३

४) 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का क्या अर्थ है? धरा पर इस भावना की आवश्यकता क्यों है ? ३

SMT. SULOCHANADEVI SINGHANIA SCHOOL, THANE

Scanned by CamScanner

Mob. 98212630

प्रश्न:९

ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं ।।
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी।।
जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो सम्पदा-विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्हीं।।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो।।

क) कवि ने किसे उदार कहा है और क्यों? २

ख) गीध और सबरी का उदाहरण क्यों दिया गया है? २

ग) रावण और विभीषण का उदाहरण देकर कवि ने क्या समझाने का प्रयास किया है? ३

घ) तुलसीदास का साहित्यिक परिचय लिखिए। ३

प्र. १०

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़ नित सिंधु झूमता है।
गंगा,यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही है,
जग मग छटा निराली, पग-पग पर छहर रही हैं।
वह पुण्यभूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।

क) कवि ने हिमालय और सिंधु का उदाहरण क्यों दिया है? २

ख) किसकी छटा निराली है और कैसे? २

ग) स्वर्ण भूमि और पुण्यभूमि किसे कहा गया है और क्यों? ३

घ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए — ३

यमुना, लहर, चरण

SCHOOL THANE

Scanned by CamScanner